

振迦穴る 水台 (CHAPTER-5)
で「四京方台で 版台で「(NINGKHAIRABA MURTI)

עבא: בֿשב אכשב (Writer : Thangjam Ibopishak)

ಣಿಕ್ಷಣem (SOLUTIONS)

र्टेंटहाणी लक्स्य

: वार्य अर्थ विष्ट्रिंग विष्य

ខ°ភ៤៤ ខំភ៤៣៩ អេហ្គែ ឃ°ភ8, गे<u>шछ</u>प्र<u>छ</u> ए। ២೩೪೪

ऋँएष्ठए ॥

ലൗന നാന = प्रेए-क्राएष गार्भ प्रे प्रश्व हुन्सेखा।

ह्या है है = स्रिमट अस्रि

ந்தோ நாகும் கூற்பில் கேற்பில் கேற் கேற்பில் கேற்பில் கேற்பில் கேற்பில் கேற்பில் கேற்பில் கேற்பில் க

र्देभमाः खेखप्राण्यभा देणप्रहेनल खेळा

९. प्रमुप्त प्रस् प्रचटाण औष्ण संभूषण (४) ॐः

-ब्रहीयर्थ मण ८ त्यम प्राचिक्त प्रमा

- **म) एणयुद म्युडान्। प्रकार याहिन मार्थे में**
- ന) ऋंक्रभ्रमुह्य छेटेभ्र खेळहाणीया।
- a) गा<u>ण्यप्रव्यक्ष</u>णा मृक्ष्य ग्रुप्रहिणारित्।।
- **म) खेंद्या व्याप्य क्षाप्य व्याप्य क्षाप्य क्षाप्य व्याप्य व**

॥โघीणाष्ट्रीय किल्म णाल्क्ष्यप्रप्रणाहि (५)

- । द्वीगा मनुस्रात समममण र्हिर ।। २

गोञ्जः ट्राच्येट र्रेलिएका केडिक्ट विकार प्राप्ति हैं

ര) वैसेक्र का अवार के विशेष स्वार्थ हैं विशेष स्वार्थ हैं विशेष स्वार्थ हैं विशेष स्वार्थ हैं कि स्वार्थ है कि स्वार्थ हैं कि स्वार्य हैं कि स्वार्य हैं कि स्वार्थ हैं कि स्वार्थ हैं कि स्वार्थ हैं कि

॥ छिप्पर्वात स्वाप्त स्वर्भे स्वर्भे

े अन्तर्भात कि प्रभाव कि अन्तर्भ प्रभाव कि अन्तर्भ विकास विकास विकास कि अन्तर्भ विकास विका

॥ उत्राधित अल्ल अल्ल विष्ठा विष्ठ प्रति प्रति प्रति प्रति विष्ठ विषठ विष्ठ विष

स) त्रेक्ठर जन्दरणीय प्यणी खरेए³?

गांद्रः मेन्नर जन्दर्भाष्य प्राप्त हैं जिल्ला में जिल्ला है जिल्ला

- ः मुमू रहमणा उप पाना किर्मा ॥ इ
 - स्वा स्वाप्त स्वाप्त क्षेत्र भाषक के प्रमाण क्षेत्र स्वाप्त अस्ति स्वाप्त स्त

शिक्ष उन्नी पाह्रण किस्पार कर्ष्यण हिस्सा होत्रण क्षेत्रण किन्न स्था हिस्सा प्रमान किस्सा प्रमान किस्सा प्रमान ऋस्ट्रिट्ट ॥

ര) महिरोम १०४१ मुक्क उण्य क्रीयत्भू उभव्यक्त ज्ञान । अर्थ स्वार्थ प्रभित्री स र्देष्ठताणीय ?

हिंदीमा अध्याप कार्य प्रशास स्थाप कार्य प्रशास स्थाप कार्य प्रशास स्थाप अध्याप स्थाप स्था ्र प्रताप्रक्रमा प्रताप प्रताप

७॥ प्रेंत्र आस्माम मामामा अस्माम अस

रञमण पाउँषा गानगारीरञ्जा सारार्क्रण

स्त्रण स्तिहर प्रभाग

ा राणभूभ हल्ला जारे

THE NATION (S)

MENT OF EDUCATION (S) ह्म हिस्स प्राची का उपार प्राची का का अध्या का अध्य का अध्या का अध्य का अध्या का अध्य ॥ हिम्म केंद्र लेंध्य प्रमुक्ताण देश कर्य असम

म्मदित म्मदित्र प्राप्ताति स्मुद्रित त्राप्त कार्या स्मुद्रित प्राप्त कार्या स्मुद्रित प्राप्त स्मुद्रित प्राप्त स्मुद्रित प्राप्त स्मुद्रित सम्भुद्रित सम्भव सम्भव सम्भुद्रित सम्भुद्र सम्भव स उट होता स्थाप होता उच्च प्रताप होता एक प्रताप प्रताप होता है स्थाप है स्थाप होता है स्थाप होता है स्थाप होता है स्थाप होता है स्थाप है स्थाप होता है स्थाप होता है स्थाप होता है स्थाप है स्थाप होता है स्थाप होता है स्थाप है स्थाप है स्थाप है स्थाप है स्थाप होता है स्थाप है स्याप है स्थाप है स्थाप है स्थाप है स्थाप है स्थाप है स्थाप है स्था स्थाप है स प्णणसङ्ख्या ॥ त्रञ्जलाम् प्राप्त होत्र विकास किल्यास्य विकास स्वाप्त ॥ त्रज्ञलाम् प्राप्त ॥ त्रज्ञलाम् प्राप्त ट॰गाञ्खूट र्वेभी नेत्रत प्राप्त प्राप्त वि

- हा लेंक्य प्रतिह्न स्वाप्त होना स्वाप्त होन स्वाप्त होना स्वाप्त होना होना स्वाप्त होना स्वाप्त होना होना ह
- गोद्धः र्षेत्रेश्वण ससेप्रकेषण वेंट्रभण प्रभाव प्रभाव वेंट्रभण प्रभाव वेंट्रभण प्रभाव वेंट्रभण प्रभाव विषय हैं से प्रभाव विषय हैं से प्रभाव विषय स्थाव प्रभाव विषय स्थाव स्याव स्थाव स्था स्थाव स्था स्थाव स्याव स्थाव स्था
- भार्यम प्रमण्य ॥ ग्रिष्ठदर्छ श्वाम क्षित्रहरू श्वाम क्षित्रहरू अध्या ॥ अध्या क्ष्या क्ष्या
- गोञ्जः खाः चेषाः ज्या ज्या त्रिकाश्चर ।
 - छुठ नामण्यधः॥
 - ത്രായ് പ്രാധ്യായി പ്രവ്യായി പ്രാധ്യായി പ്രവ്യായി പ്
 - ॥ ॰ लप्पर्व गान्तर्वा न
 - ट) ँगाएश ध्या, ह्रुक्छ।
 - सित्रेम ट्राप्टें मार्चि
 - ॥ एक र गुना कि र जिल्ला मि
 - लेखर लेएर॥
- 9॥ लॅभ्भ प्रताह एँट हर्टे नेक्रए ऋखर सञ्जा स्वभावर , स्वभावि सर्टे नेक्रभर एः? जेपान्नः

- किन्स्य प्राथम अर्थ हुँ दें उर्थ प्राथम प्राथम मान्य

मित्रकाय प्रज्यात अष्टल्य प्रभाम भारति ।

പ്രംഗ്ര കാധ്യ

ण्याणीय श्रेखय प्राणीय श्रेखय प्राणीय होर्गां हॉक्शा

स्वराण क्ष्य कार्य हेन्स्य स्वर्ण सामान्य सामान्य प्रत्य स्वर्ण स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ण

OF EDUCATION (S)